PK4-21

इतिहास (वैकल्पिक विषय)

(मॉड्यूल I- प्राचीन इतिहास)

DTVF/17-OPS-**H1**

निर्धारित समय: तीन घंटे
Time allowed: Three Hours

अधिकतम अंक: 250
Maximum Marks: 250

नाम (Name): Sakshi Garg

क्या आप इस बार मुख्य परीक्षा दे रहे हैं? | हाँ | | नहीं | |

मोबाइल नं. (Mobile No.): ____________

ई-मेल पता (E-mail address): ____________

टेस्ट नं. एवं दिनांक (Test No. & Date): ____________

रोल नं. [यू.पी.एस.सी. (प्रा.) परीक्षा-2017] [Roll.No. UPSC (Pre) Exam-2017]:

परीक्षा का माध्यम
(Medium of Exam.): ____________

विद्यार्थी के हस्ताक्षर
(Student's Signature): ____________

नोट: प्रश्न-पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश अंतिम पृष्ठ पर संलग्न है।

Evaluation Analysis

MARKS
76 1/2 /250

Introduction	Context	Content	Structure	Current Link / Examples	Conclusion	Language
B+	B+	B	B	D	B	B

Copyright – Drishti The Vision Foundation

व्यापक विश्लेषण / Macro Analysis

→ आपने सभी प्रश्नों को हल किया है जो कि सराहनीय है।

→ लेखनशैली एवं भाषा स्पष्टता अच्छी है।

→ प्रश्न 6(b) आपने गलत उत्तर लिखा है आगे से इस पर ध्यान दें।

→ सतत अभ्यास करते रहें।

Grade Card	
Grade 'A'	Very Good
Grade 'B'	Good
Grade 'C'	Satisfactory
Grade 'D'	Poor

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

खण्ड - A / SECTION - A

1. आपको दिये गए मानचित्र (प्रश्न पत्र के पृष्ठ नं. 4) पर अंकित निम्न स्थानों की पहचान कीजिये और अपनी प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में उनमें से प्रत्येक पर लगभग 30 शब्दों की संक्षिप्त टिप्पणी लिखिये। मानचित्र पर अंकित प्रत्येक स्थान के लिये स्थान-निर्धारण संकेत क्रमानुसार दिये गए हैं। $2\frac{1}{2} \times 20 = 50$

Identify the following places marked on the map supplied to you (On question paper's page no. 4) and write a short note of about 30 words on each of them in your Question-cum-Answer Booklet. Locational hints for each of the places marked on the map are given below seriatim:

(i) एक मध्य पाषाणकालीन स्थल

A Mesolithic site

$1\frac{1}{2}$

बागौर → - राजस्थान में स्थित मध्य पाषाणकालीन स्थल
- यहां से पशु के साक्ष्य प्राप्त हुए हैं, जिससे यह ज्ञात होता है कि मध्यपाषाणकालीन लोग पशुपालन करते होंगे
- यहां से क्रोड पत्थर निर्मित औजार भी मिले हैं।

(ii) एक नव पाषाणकालीन स्थल

A Neolithic site

बुर्जहोम → कश्मीर में स्थित नवपाषाणकालीन स्थल
- यहां से मानव शव के साथ कुत्ते दफनाए जाने का साक्ष्य प्राप्त हुआ है।
- यह स्थल नवपाषाणकाल की धार्मिक सांस्कृतिक परंपरा व पुनर्जन्म में विश्वास को प्रस्तुत करता है

(1)

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

(iii) एक नव पाषाणकालीन स्थल

A Neolithic site

ब्रह्मगिरी → कर्नाटक में स्थित नवपाषाणकालीन स्थल
- यह नवपाषाण-ताम्रपाषाणकाल को भी प्रदर्शित करता है
1 - ज्ञात होता है कि नवपाषाण काल के कुछ स्थल कालान्तर में ताम्रपाषाण में परिवर्तित हो गए।

(iv) एक ताम्र पाषाणकालीन स्थल

A Chalcolithic site

नवदाटोली → महाराष्ट्र में स्थित ताम्रपाषाणकालीन स्थल
- यहां से प्राप्त क्रोड हस्तनिर्मित औजार, मनके, ताम्रपाषाणकाली संस्कृति का बोध कराते हैं
- ग्रामीण आवासीय साक्ष्यों की प्राप्ति होती है

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

(v) एक हड़प्पाकालीन स्थल

A Harappan site

धौलावीरा → गुजरात में स्थित हड़प्पाकालीन स्थल

- यहां से चित्रित धूसर मृदभाण्ड की प्राप्ति हुयी है

1½

- इसके साथ ही प्राप्त मुद्रायें यह बोध कराती है कि यह काल में व्यापार उन्नत व विदेशी सम्पर्क में था।

- नगरीय सभ्यता, त्रिस्तरीय विभाजन के साक्ष्य

(vi) एक हड़प्पाकालीन स्थल

A Harappan site

संघोल → पंजाब में स्थित

- यहां से अग्नि कुण्ड के साक्ष्य प्राप्त हुए हैं जिनका सम्पर्क हड़प्पाकालीन सभ्यता से माना जाता है।

- यह स्थल कालीबंगा के उत्तर व रोपड़ के दक्षिण में स्थित है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

(vii) एक महाजनपदकालीन स्थल

A site of Mahajanapada Period

पांचाल → उत्तर भारत में स्थित महाजनपद

- 16 महाजनपदों में से एक था
- इसकी राजधानी कांपिल्य थी
- लोहे के प्रयोग के कारण कृषि अधिशेष, शिल्प विकास को प्रोत्साहन मिला होगा, जिससे जनपद महाजनपद में बदल गए।

1

(viii) एक राजधानी

A capital city

कन्नौज → उत्तर प्रदेश में स्थित

- इस स्थल के उपजाऊ होने के कारण पाल, प्रतिहार व राष्ट्रकूट के बीच त्रिपक्षीय संघर्ष हुआ (कन्नौज प्राप्ति हेतु)
- राजा हर्षवर्धन ने अपनी राजधानी बनायी थी।

1½

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

(ix) अशोककालीन वृहद् शिलालेख

Major Rock Inscription of Ashoka's Period

शाहबाजगढ़ी → वर्तमान पाकिस्तान में स्थित

- इस स्थल से प्राप्त शिलालेख राजनीतिक जानकारी के साथ-साथ प्रशासनिक केन्द्रीकरण प्रवृत्ति को भी बताते हैं।

- इस स्थानों पर ~~अक~~ अशोक सरदारों के माध्यम से शासन करता था।

1

(x) एक प्राचीन गुहा स्थल

An ancient cave site

उदयगिरी → उड़ीसा में स्थित

- यहां ~~[illegible]~~ मथुरा व गांधार की मिश्रित शैली में बनी बुद्ध की खड़ी प्रतिमा प्राप्त हुई है

- शासकों द्वारा जैन भिक्षुओं को कई गुफा दान में दी गयी।

1

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

(xi) एक बंदरगाह

A sea-port

बेरीगाजा → इसे भड़ौच भी कहते हैं

पूर्वमध्यकालीन बंदरगाह था

- यहां से अरब, रोम, मध्यएशिया को व्यापार होता है।

- इसमें हाथी दांत, वस्त्र, मनकों का निर्यात तथा घोड़े, धातु जैसे सोना, शराब आदि का आयात होता था।

(xii) एक चोलकालीन स्थल

A site of Chola Period

तंजौर → दक्षिण भारत में स्थित महत्वपूर्ण स्थल

→ राजा राजराज-प्रथम द्वारा यहां वृहदेश्वर मंदिर का निर्माण करवाया गया।

→ यहां नन्दी के द्वितीय सर्वाधिक बड़ी प्रतिमा है

→ चोल काल का सांस्कृतिक प्रतिबिम्बन करता है।

1½

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

(xiii) एक प्राचीनकालीन मंदिर

A temple of Ancient Period

खजुराहो → मध्यप्रदेश में स्थित

पूर्व मध्यकालीन मन्दिर है

- चन्देल शासकों द्वारा यहां अनेक मंदिरों का निर्माण करवाया गया।

- इन मंदिरों में कन्दरिया महादेव का मंदिर सर्वाधिक प्रमुख है।

(xiv) मौर्यकालीन स्तंभलेख

A piller inscription of Maurya Period

सोहगौरा → मौर्य कालीन स्तंभलेख की प्राप्ति होती है

- इसमें प्राकृत भाषा व ब्राह्मी लिपि का प्रयोग किया गया है।

(1)

- यहां से मौर्य कालीन चिन्ह, मुद्रा प्राप्ति प्रदर्शित करती है कि इस क्षेत्र में राजा का केन्द्रीयकृत नियंत्रण था।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

(xv) एक राजधानी

A Capital city

कपिलवस्तु → नेपाल के तराई क्षेत्र में स्थित
- शाक्य राजाओं द्वारा अपनी राजधानी बनायी गयी।
- पाणिनी के अष्टाध्याय से ज्ञात होता है कि महात्मा बुद्ध ने इस स्थान की यात्रा की थी।

1½

(xvi) एक प्रमुख राजधानी

A Capital city

मदुरई → तमिलनाडु में स्थित महत्वपूर्ण राजनैतिक नगर
- संगम कालीन ~~पाण्ड्य~~ पाण्ड्य शासकों ने इसे अपनी राजधानी बनाया
- यह शिक्षा का भी प्रमुख केंद्र रहा।
- इस स्थल की जानकारी संगम साहित्य में भी प्राप्त होती है।

1½

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

(xvii) जैन धर्म से संबंधित स्थल

A Jain Pilgrimage site

पावापुरी → बिहार में स्थित जैन संबंधित स्थल

1/2

- प्रथम जैन संगीति का आयोजन यहीं किया गया
- इसकी अध्यक्षता स्थूलभद्र ने की

(xviii) एक बौद्ध शिक्षा केन्द्र

A Buddhist Learning Center

नालन्दा → बिहार में स्थित

- कुमारगुप्त द्वारा इस शिक्षा केन्द्र का निर्माण करवाया गया

1

- यहां देश-विदेश से छात्र पढ़ने आते थे।
- वर्तमान में भारत सरकार, दक्षिण पूर्व एशियाई देशों की मदद से इस स्थल को पुनर्निर्मित कर रही है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

(xix) एक हड़प्पाकालीन स्थल

A Harappan site

लोथल → गुजरात में स्थित

- हड़प्पाकालीन प्रमुख बंदरगाह स्थल था

(1)

- यहां से मुद्रा, शिल्प वस्तुएं, मनके आदि प्राप्त होते हैं, जिससे यह ज्ञात होता है कि हड़प्पाकाल में मध्यएशियाई देशों से व्यापारिक संबंध थे।

(xx) जोरवे संस्कृति से सम्बद्ध स्थल

A site associated with Jorwe culture

दायमाबाद → महाराष्ट्र में स्थित ताम्रपाषाणकालीन स्थल

- यहां से काले-लाल मृदभाण्ड (जिन पर काले रंग से चित्रकारी की गयी है) प्राप्त होते हैं।

($1\frac{1}{2}$)

- टोंटीदार बर्तन, गोड़दार तश्करी की प्राप्ति भी हुयी है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

3. (a) हड़प्पा संस्कृति का क्रमिक विकास हुआ न कि यह अचानक किसी बाहरी प्रभाव के कारण प्रकट हुई। कथन के आलोक में सैन्धव सभ्यता के उद्भव के सम्बन्ध में विभिन्न मतों का आलोचनात्मक परीक्षण प्रस्तुत कीजिये। 15

Harappan Civilization evolved gradually, not that it was appeared suddenly due to any external repercussion. Critically examine this statement given above with reference to different opinion related with origin of the Indus-civilization. 15

Ans साहित्यिक साक्ष्यों के अभाव व अपर्याप्त पुरातात्विक साक्ष्यों के कारण हड़प्पाकालीन सभ्यता के उदय के संदर्भ में इतिहासकारों के बीच मतैक्यता का अभाव है।

good

साम्राज्यवादी इतिहासकार अकस्मात् उदय बताते हैं उनके अनुसार मेसोपोटामिया के समकालीन होने के कारण इसका उदय मेसोपोटामिया की सभ्यता से प्रभावित था।

परन्तु मेसोपोटामिया में चौकोर मुद्रा, कच्ची ईंट का प्रयोग हुआ, जबकि हड़प्पा में बेलनाकार मुद्राएं, पकी ईंटें प्राप्त होती हैं। साथ हड़प्पाई नगरीय व्यवस्था भी ज्यादा उन्नत थी।

हड़प्पा — मेसोपोटामिया

कुछ का मानना है कि ~~आर्यों के~~ द्रविण सभ्यता से इसका उदय हुआ, इस सभ्यता को कुछ इतिहासकारों ने भूमध्यसागरीय तक करार दिया।

परन्तु प्राप्त पुरातात्विक साक्ष्य इससे

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

सामंजस्य नहीं रखते। जहां एक ओर हड़प्पा में लोहे के प्रयोग के साक्ष्य नहीं मिलते वहीं इसकी ओर ग्रामीण सभ्यता ग्रामीणा थी व लोहे के साक्ष्य मिले हैं।

सर्वाधिक मान्य मत है कि हड़प्पा का अंत अकस्मात न होकर क्रमिक विनाश स्वरूप हुआ, जिसमें वे निम्न तर्क प्रस्तुत करते हैं—

- कोई भी नगरीय सभ्यता विनाश के सन्दर्भ में ग्रामीण आधार लिए होती है। हड़प्पा सभ्यता भी पश्चिमी भारत में स्थित बलूची संस्कृति, पंजाब जैसे ग्रामीण क्षेत्रों के विनाश रूप में सामने आयी।
- दोनों सभ्यताओं में त्रिभुज (Δ), हिरण जैसे कुछ साक्ष्य प्राप्त हुए हैं जो दोनों में सम्बद्ध प्रदर्शित करते हैं।
- यदि ग्रामीण संस्कृति का स्थल देखें तो यह काफी हद तक हड़प्पाई स्थल से साम्यता रखता है।

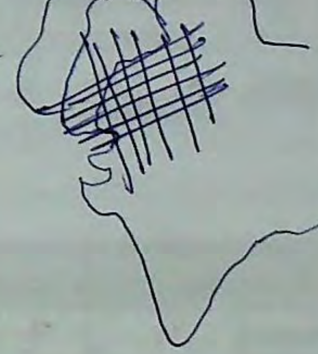

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

यद्यपि लिपि न पढ़े जाने के कारण स्पष्ट निष्कर्ष पर नहीं पहुंचा जा सकता, तथापि ~~सर्वमान्य~~ सर्वाधिक मान्य मत क्रमिक विनाश का ही है।

good

6

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	1/2	3	2	1/4	×	1/4	
Grade	A	A	B	B	×	B	

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

(b) क्या आप इस विचार से सहमत हैं कि ऋग्वैदिक धार्मिक जीवन तथा लोगों की सैद्धांतिक मान्यताएँ तत्कालीन भौतिक जीवन से अत्यधिक प्रभावित थीं? सोदाहरण स्पष्ट कीजिये। 20

Do you agree with the view that Rigvedic religious life and the theoretical beliefs of the people were highly influenced by the then physical life. Elaborate with examples. 20

Ans → किसी भी काल का सामाजिक जीवन व धार्मिक जीवन एक दर्पण की तरह कार्य करता है, अर्थात दोनो परस्पर प्रभावित करते है, ऋग्वैदिक काल भी इसका अपवाद नही था।

- ऋग्वैदिक काल समतापूर्वक था, वर्ण जाति का जन्म आधार पर विभाजन नही था अतः धर्म में भी कोई कर्मकाण्ड मंत्रोचारण, बलि की व्यवस्था नही थी।

- ऋग्वैदिक समाज में कृषि अर्थव्यवस्था को प्रोत्साहन दिया जा रहा था वस्तु इसी सन्दर्भ में प्रकृति का दैवीयकरण किया गया। इन्द्र को पुरन्दर कहा गया है, सर्वाधिक सूक्त इन्हीं को समर्पित है, वर्षा का देवता कहा जाता था।

- ऋग्वैदिक समाज में अग्नि का प्रयोग जंगल साफ करने व भोजन पकाने के लिए करते थे, अतः

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

अग्नि को देवता का रूप दिया गया व इन्द्र के बाद सर्वाधिक सूक्त अग्नि को समर्पित है।

- ऋग्वैदिक काल में प्राप्त शवों के साथ पसंदीदा वस्तुएं, ताबीज आदि की प्राप्ति हुयी है, यह प्रतिबिंबित करता है कि ऋग्वैदिक समाज जादू टोना, टोटका व पुनर्जन्म में विश्वास रखता होगा।

- वस्तुतः पुरुषप्रधान अर्थव्यवस्था होने के बावजूद महिलाओं के लिए समाज में सम्मान था, इसका प्रतिबिम्ब वेदों से होता है। सूर्य की बहन सूर्या को अनेक मंत्र समर्पित है।

इस प्रकार हम देखते हैं जैसे-जैसे समाज विभेदकारी, जातिवाद, वर्णप्रथा उन्मुख होने लगा वैसे-वैसे वैदिक काल में कर्मकाण्ड, आडम्बर आने लगा। अतः ऋग्वैदिक कालीन समाज की झलक ऋग्वैदिक कालीन धर्म, सांस्कृतिक मान्यताओं में प्रतिबिंबित होती है।

प्रश्न को ध्यान पूर्वक पढ़कर उत्तर लिखें

→ धार्मिक जीवन एवं मान्यताओं का भौतिक जीवन से अन्तर्संबंध स्थापित करना है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

A 1/2

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	1/4	2	2	1/4	x	x	
Grade	B	C	C	B	x	x	

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(c) क्या आप इस विचार से सहमत हैं कि भारत के द्वितीय नगरीकरण में जितनी भूमिका लौह–प्रौद्योगिकी ने निभाई उससे कहीं कम भूमिका तत्कालीन सामाजिक–आर्थिक परिवेश की भी नहीं थी? विवेचना कीजिये। 15

Do you agree with the view that the role of socio-economic environment was not less than that of iron-technology in the second urbanization in India. Discuss. 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

अच्छी शुरुआत है

किसी भी नगरीय सभ्यता के विकास में एक कारण के भूमिका नही होती वस्तुतः यहीं कई कारकों का समुच्चय होता है। द्वितीय नगरीकरण में लौह के साथ-साथ आर्थिक सम्पन्नता, कृषि अधिशेष, शिल्प विकास, धार्मिक विविधता जैसे अनेक कारण महत्वपूर्ण रहें।

द्वितीय लौह प्रौद्योगिकी के कारण कृषि औजार के उच्च स्तरीय रूप सामने आए, शिल्प कला का विकास हुआ जिससे कृषि अधिशेष, आर्थिक सम्पन्नता हुयी। इस व्यवस्था ने नगरीकरण का मार्ग प्रशस्त किया। यद्यपि इसके अलावा अन्य कारण भी रहे —

- तत्कालीन ~~का~~ व्यवस्था में बड़े पैमाने पर पश्चिमी तकनीक का आगमन हुआ, जिससे ~~नगरीय~~ फसल विविधता आयी एक मौसम में दो फसलें बोयी जाने लगी। इसके साथ ही प्रचलन की विधि का लाभ ~~लोहा~~ व तांबा व लकड़ी को भी प्राप्त हुआ।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

- तत्कालीन व्यवस्था में बौद्ध व जैन धर्म को प्रश्रय प्राप्त हुआ। इस धर्म में मुनाफा, सूदखोरी उचित मानी गयी पशुबलि को हिंसक कृत्य करार दिया गया जिससे कृषि हेतु बड़े पैमाने पशुप्राप्ति हुयी, साथ ही व्यापार वाणिज्य को सूदखोरी से प्रोत्साहन मिला।

- ब्राह्मण एकाधिकार पर चोट की गयी व वैश्य, शूद्र को भी समाज में स्थान प्राप्त हुआ जिससे उन्होंने आर्थिक विकास में सहयोग दिया।

कुछ नगरों का उदाहरण भी दें।

- राजनैतिक स्थिरता आ रही थी जन से इकाई जनपद व अब महाजनपद हो गयी। इसकी चर्चा अंगुत्तरनिकाय व महावस्तु जैसे ग्रंथों से प्राप्त होती है। अर्थात् बिम्बिसार, अजातशत्रु, चन्द्रगुप्त मौर्य, अशोक जैसे महान शासकों ने इन संभावनाओं का लाभ उठाकर एक निश्चित आधार दिया।

अच्छा प्रयास है।

इस प्रकार स्पष्टतः कहा जा सकता है कि ~~मौर्य~~ ~~काल~~ द्वितीय नगरीकरण में लौह के साथ सारा सामाजिक, धार्मिक, राजनीतिक

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

तत्व महत्वपूर्ण रहे।

6

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	1/2	3	2	1/4	x	1/4	x
Grade	A	A	B	B	Y	B	Y

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

खण्ड - B / SECTION - B

5. निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 150 शब्दों में दीजिये: $10 \times 5 = 50$

Answer the following questions in about 150 words each:

(a) बौद्ध धर्म की शिक्षाओं की संक्षेप में चर्चा करते हुए इसके सामाजिक पक्षों को दर्शाइये।

Discuss the teachings of Buddhism in a nutshell, define its social aspects.

बौद्ध धर्म के अन्तर्गत अहिंसा, अक्रोध, नैतिकता, सहिष्णुता, कर्मकाण्ड विरोध जैसी शिक्षा दी गयी, जिसका विश्लेषण करें तो यह धर्म से भी आगे बढ़कर एक सामाजिक आन्दोलन प्रतीत होता है।

- तत्कालीन समाज में वर्ण, जाति का जन्म आधारित विभाजन था, जिसमें ब्राह्मण का स्थान उच्च था। जबकि क्षत्रिय अपना स्थान उच्च करने हेतु संघर्षरत थे अतः बौद्ध धर्म ने कर्मकाण्डों पर चोट कर क्षत्रियों को प्रश्रय दिया। कहा जाता है स्वयं बुद्ध क्षत्रिय थे।

- ब्राह्मण धर्म में ब्याज, सूद, मुनाफाखोरी वर्जित था जबकि वैश्य वर्ग को व्यापार करने हेतु इसकी आवश्यकता थी बौद्ध धर्म ने सूद को सही बता व्यापारियों को प्रोत्साहन दिया।

- कर्मकाण्डों में बड़े पैमाने पर पशुओं की क्षति की जाति थी जिससे कृषि हेतु जुताई में कठिनाई उत्पन्न

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

हो रही थी। अहिंसा को प्रोत्साहन देने के कारण अब पशुबलि अनैतिक कर्म हो गया।

- शूद्रों को भी प्रवेश दिया जिससे अब वे भी मोक्ष प्राप्त कर सकते थे।

- समाज में फैले अन्याय, हिंसा, अशांति को बौद्ध धर्म शान्ति का मार्ग दिखाता प्रतीत हो रहा था, जिससे समाज, स्वयं अशोक जैसा महान शासक इस ओर आकर्षित हुआ।

Good

वस्तुतः अपने सामाजिक पक्ष के कारण ही बौद्ध धर्म विदेशों में भी प्रसारित हुआ व वर्तमान में भी अपनी प्रासंगिकता बनाए हुए है।

A ½

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	½	2	1½	¼	×	¼	×
Grade	A	A	B	B	×	B	×

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

(b) मौर्यकालीन आर्थिक गतिविधियों पर कृषि अर्थव्यवस्था के प्रभाव पर टिप्पणी कीजिये।

Comment on the effect of the agricultural economy on Mauryan economic activities.

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

मौर्य काल में लोहे के विकास, उच्च स्तरीय औजार निर्माण, शासक प्रश्रय आदि के कारण कृषि अर्थव्यवस्था को प्रोत्साहन मिला जिसके प्रभावस्वरूप जनपद से राज्य महाजनपद में तब्दील हो गए। → मौर्यकाल से पहले हो चुके थे

लोहे के प्रयोग से बड़े पैमाने पर जंगल साफ हो गए, उच्च निर्मित औजार से रोपाई, कटाई की जाने लगी जिससे कृषि अधिशेष को प्रोत्साहन मिला।

कृषि अधिशेष के कारण बड़े पैमाने पर ग्रामीण जनता का नगर की ओर प्रवास हुआ। शिल्प वर्ग को प्रोत्साहन मिला। उड़ीसा हाथी दांत हेतु, उज्जैन मनके हेतु व मथुरा वस्त्र हेतु प्रसिद्ध हुआ।

कृषि व शिल्प विकास से मौर्य कालीन व्यापार विदेशों तक में प्रसारित हो गया। यहां के कृषि अधिशेष, उच्च गुणवत्ता के शिल्प निर्मित उपकरणों की विदेशी राज्यों जैसे चीन, नेपाल, दक्षिणपूर्व एशिया आदि में मांग बढ़ गयी।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

महत्वपूर्ण बात यह रही की व्यापार में भुगतान संतुलन सदैव भारत के पक्ष में रहा जिस कारण यह सुदृढ़, त्रिकोणीय सम्पन्न अर्थव्यवस्था का जन्म हुआ।

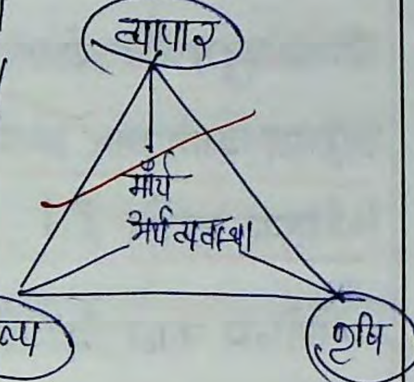

इस प्रकार कृषि अधिशेष ने मौर्यकालीन सम्पूर्ण अर्थव्यवस्था को नई दशा व दिशा दी।

→ कृषि अर्थव्यवस्था के विविध पक्षों का उल्लेख करें
→ प्रमुख फसल
→ राज्य द्वारा किये गये प्रयास आदि
→ अन्य आर्थिक गतिविधियों पर कृषि अर्थव्यवस्था का प्रभाव दर्शाना है।

$3\frac{1}{4}$

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	1/4	$1\frac{1}{2}$	1	1/4	x	1/4	x
Grade	B	B	C	B	x	B	x

Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

(c) "तथाकथित 'अंधकार युग' वस्तुतः राजनीतिक विश्रृंखलता का युग था।" टिप्पणी कीजिये।

"The so called 'Dark Age' infact, was an era of political disorder." Comment.

राष्ट्रवादी इतिहासकारों द्वारा मौर्योत्तरकालीन युग को अंधकारयुग की संज्ञा दी गयी, जिसके पीछे वे विदेशी आक्रमण, सामन्तवाद उत्पत्ति व कमजोर केन्द्रीय व्यवस्था को जिम्मेदार ठहराते है।

- मौर्योत्तर काल में बड़े पैमाने पर इण्डोग्रीक, इण्डोपार्थियन, शक कुषाणों का आक्रमण हुआ व इन्होंने क्षेत्रीय शासकों को प्रभावित किया।

- क्षेत्रीय भावना की प्रबलता, राष्ट्रीय भावना के अभाव के कारण भारतीय शासक केन्द्रीकृत व्यवस्था न बना सके व बड़े पैमाने पर क्षेत्रीय शासकों का उदय हुआ।

- अपने राज्य को मान्यता प्रदान करने के उद्देश्य से राजा ने भूमि अनुदान दी जिसका उल्लेख सातवाहन अभिलेख में प्राप्त होता है। इन भूमि को प्राप्त करने वाले सामन्त कालान्तर में आर्थिक, प्रशासनिक रूप से सुदृढ़ होकर केंद्रीय सत्ता हेतु ही चुनौती

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

बन गए।

इसी कारण से मौर्योत्तर काल को अंधकारयुग की संज्ञा दी गयी। यद्यपि यह विश्लेषण एकपक्षीय है, हमें राजनैतिक, सांस्कृतिक, धार्मिक, आर्थिक सभी पक्षों पर ध्यान देते हुए मौर्योत्तर काल का विश्लेषण करना चाहिए।

राजनीतिक विभृंखलता के अंदर में भी तथ्यों एवं ट्रेंडों का समावेश करें।

3 1/4

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	1/4	1 1/2	1	1/4	x	1/4	x
Grade	B	A	C	B	x	B	x

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(d) संगम साहित्य में वर्णित तमिल धार्मिक जीवन पर संक्षिप्त टिप्पणी करें।

Comment briefly on Tamil religious life described in Sangam literature.

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

आरम्भिक

तमिल समाज की जानकारी हेतु साहित्यिक साक्ष्य के रूप में संगम साहित्य की प्राप्ति होती है। संगम साहित्य में वर्णित धार्मिक दृष्टान्त निम्न प्रकार हैं -

- तमिल में मेरुगन की पूजा की जाती थी। इनका अन्य नाम सुब्रमण्यम था। मेरुगन देवता को प्रसन्न करने के लिए मंदिरों में नृत्य किया जाता था जिसे 'वेलनाडम' कहते थे।

- वस्तुतः वर्ण में विभाजित न होकर समाज आर्य व अनार्य में विभाजित था, जिसमें धर्म के माध्यम से अनार्य लोग अपना सामाजिक स्तर उठाने को प्रयासरत थे।

- संगम साहित्य में प्रथम संगम के अध्यक्ष ऋषि आगस्त्य थे, मुजरिष से ऋषि अगस्त्य का मंदिर प्राप्त हुआ है। ऋषि आगस्त्य को ही श्रेय दिया जाता है कि उन्होंने उत्तरी संस्कृति का विस्तार दक्षिण भारत

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

में किया।

- तमिल शासकों द्वारा पर्याप्त रूप से शैव धर्म को प्रश्रय प्रदान किया गया। यद्यपि जैन व बौद्ध धर्म का प्रभाव काफी कम देखने को मिलता है।

- तमिल ग्रन्थ तुल्लकाप्पियर की रचना तोलकाप्पियर द्वारा की गयी, इसमें धर्म को नैतिकता, आचार संहिता से जोड़ा गया है।

संगम साहित्य से तमिल धार्मिक सहिष्णुता की अनुभूति होती है।

धार्मिक दृष्टिकोण से भी चर्चा करें
जैसे:—
→ प्राकृतिक शक्तियों की पूजा
→ भूत-प्रेत में विश्वास
→ आदि।

$3\frac{1}{4}$

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	1/4	$1\frac{1}{2}$	1	1/4	×	1/4	×
Grade	B	B	C	B	×	B	×

Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

(e) गुप्तकालीन स्त्रियों की स्थिति पर संक्षिप्त टिप्पणी करें।

Comment briefly on the position of women of Gupta Period.

Ans एक ओर इतिहासकार गुप्तकाल को स्वर्णयुग की संज्ञा देते हैं, वहीं दूसरी ओर देखें तो महिला से जुड़ी अनेक कुप्रथा जैसे- सतीप्रथा, बाल विवाह, विधवा विवाह निषेध, पर्दा प्रथा व गुप्तकाल में अपने चरम पर थीं।

स्मृति साहित्य की रचना से स्पष्ट प्रतीत होता है कि महिला अपने स्थिति निचले स्तर पर थी। उसे असूर्यपश्या, अनिष्काषिनी तक कहा गया है।

मनुस्मृति में कहा गया कि महिलाओं को सम्पत्ति पर कोई उत्तराधिकार प्राप्त नहीं होना चाहिए स्त्री का अधिकार मात्र स्त्रीधन तक सीमित है। शूद्र व महिलाओं को मोक्ष का अधिकार नहीं है।

पति की मृत्यु के बाद स्त्री को सती हो जाना पड़ता था, पर्दे में रहना पड़ता था। यदि हम पूर्व के काल से तुलना करें तो गुप्तकाल

Copyright – Drishti The Vision Foundation

में महिला स्थिति अतन हाशिए पर थी।

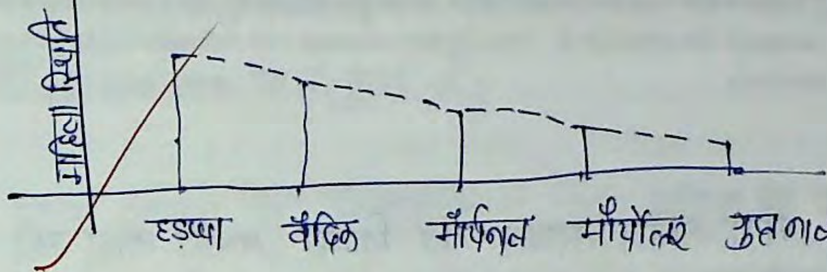

गुप्तकाल में महिला स्थिति प्रदर्शित करता ग्राफ

यद्यपि कुछ इतिहासकारों का कहना है कि सती प्रथा मात्र उच्च वर्ग में ही उपलब्ध थी व शिक्षा संस्थानों तक भी महिलाओं की पहुंच थी।

परन्तु कुछ अपवादों को छोड़ दिया जाए तो गुप्तकाल में महिला स्थिति हाशिए पर चली गयी थी, जिसके परिणाम मात्र प्राचीन भारत ही नहीं अपितु वर्तमान भारत में भी देखे जा सकते हैं।

उदाहरण भी दें। ⇓ अमरकोष में उपाध्याया, आचार्या और याज्ञवल्क्य ने सम्पत्ति अधिकारी बताया

4 1/4

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	1/2	1 1/2	1 1/2	1/4	×	1/2	×
Grade	A	B	B	B	×	A	×

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

6. (a) "मौर्य काल में व्यापार आकस्मिक रूप से विकसित नहीं हुआ बल्कि यह एक लम्बे आर्थिक परिवर्तन का हिस्सा था।" मौर्यकालीन अर्थव्यवस्था के परिप्रेक्ष्य में कथन की विवेचना कीजिये। 15

"Trade in the Maurya Period did not develop accidentally, but it was part of a long economic transformation." Discuss the statement with reference to the Mauryan economy. 15

Ans > मौर्य कालीन व्यापार का विकास प्राचीन काल की महत्वपूर्ण प्रक्रिया थी, जिसने न सिर्फ जनपद को महाजनपद में बदला अपितु आगे आने वाली अर्थव्यवस्थाओं के लिए सुदृढ़ता का मार्ग प्रशस्त किया।

यद्यपि यह एक दीर्घकालीन अवस्था थी क्योंकि –

– वैदिक काल, छठी ईसा पूर्व कृषि अपना आधार बना चुकी थी। मौर्य कालीन क्षेत्र से प्राप्त अपार लोहे से इसे और सहायता मिली, अब व्यापार पैमाने पर कृषि अधिशेष उत्पन्न हुआ।

– शिल्प कला के साक्ष्य हमें हड़प्पा सभ्यता, वैदिक काल में प्राप्त होते हैं पर मौर्य काल आते-आते यह (काफी) ऊंचाई पर पहुंच गया। यही कारण है कि

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

जहां लाल व काले मृदभाण्ड की संख्या मात्र 500 प्राप्त होती है, चित्रित धूसर मृदभाण्ड की 900 व NBPW की 15000 तक प्राप्त हुआ है।

- हड़प्पा सभ्यता में ~~सिक्कों~~ व मुद्रा प्रयोग के साथ मिले हैं आगे छठी ईसा पूर्व पंचमार्क आहत सिक्कों का विकास हुआ व मौर्य कार्य में बड़े पैमाने पर मुद्रा प्रयोग सामने आया।

- विदेशी व्यापार पहले के कालों में भी देखा गया मुद्रा अर्थव्यवस्था के मौर्य काल में इसे और प्रोत्साहन मिला व बड़े पैमाने पर व्यापार हुआ।

- छठी ईसा पूर्व स्थापित बौद्ध धर्म का प्रसार मौर्योत्तर काल में विदेशी भूमि पर भी होने लगा। इस धर्म ने धार्मिक संबंधों के माध्यम से विदेशी व्यापार को तीव्रता प्रदान की।

वस्तुतः कहा जा सकता है मौर्य कालीन व्यापार अचानक उत्पन्न नहीं हुआ अपितु

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

पूर्व के कालों से इसे पर्याप्त सामाजिक, धार्मिक, आर्थिक आधार प्राप्त हो चुका था।

⇒ अपने तर्कों को तथ्यों के माध्यम से स्पष्ट करें
- आन्तरिक एवं विदेशी व्यापार
- आयात - निर्यात की वस्तुएं
- बंदरगाह आदि।

A 3/4

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	1/2	2	2	1/4	X	1/4	-
Grade	A	B	B	B	X	B	—

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

(b) "मौर्योत्तर कलात्मक गतिविधियों का सम्बन्ध धर्म से था और कलाकृतियों में धर्म परिलक्षित होता है।" उक्त कथन की विवेचना कीजिये तथा मौर्योत्तर कलात्मक विकास को दर्शाइए। 20

"The Post Mauryan artistic activities belonged to religion and religion reflects in artifacts." Discuss the above statement and define the artistic development of Post Maurya. 20

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Ans किसी काल की धार्मिक विश्वास की पुष्टि कलात्मक गतिविधियों व कला की धार्मिक गतिविधियों से स्पष्टत की जा सकती है अर्थात् दोनो परस्पर दर्पण की तरह कार्य करते हैं। good

~~मौर्य~~ मौर्य कालीन कला पर धर्म का प्रभाव →

- मौर्य काल में अजन्ता की गुफाओं में अनेक चित्रकारी की गयी जो बौद्ध धर्म से परिलक्षित थी।
- अशोक द्वारा वास्तुकला के रूप में अनेक स्तूप चैत्य, विहार बनवाए गए जो संभवतः बौद्ध धर्म विश्वासों को परिलक्षित करता है।
- अशोक द्वारा निर्मित मौर्यकालीन स्तम्भ पर सारनाथ चक्र पशु आकृति, गयल तत्कालीन कला पर ईरानी संस्कृति व पशु अर्थात प्राकृतिक दृष्टांत को प्रदर्शित करती हैं।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

- सामान्य जनता द्वारा मौर्य काल में यक्ष - यक्षिणियों की मूर्ति बनायी जाती थी जो मौर्य काल की धार्मिक विश्वास को प्रकट करते हैं इसमें घोड़े का चित्र बुद्ध के गृह त्याग को, कमल का चिन्ह बुद्ध जन्म को, स्तूप महापरिनिर्वाण को संबोधित करता है।

इस प्रकार कहा जा सकता है मौर्य काल में कला पर धर्म का बहुत प्रभाव था व कला में धार्मिक तत्वों को प्रश्रय दिया गया।

मौर्योत्तर काल की कलात्मक गतिविधियों को पूछा है और आपने उल्लेख किया मौर्यकाल का है।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	½	x	x	x	x	x	x
Grade	A	x	x	x	x	x	1

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

7. (a) "गुप्त काल की व्यापारिक समृद्धि उस आर्थिक प्रगति का अंतिम चरण थी जो पूर्व काल में प्रारंभ हुई थी।" कथन की समीक्षा कीजिये। 15

"Trade prosperity of the Gupta period was the last phase of economic progress which had started in past". Analyse the statement. 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

Ans गुप्त काल को इतिहासकारों द्वारा स्वर्णयुग करार दिया जाता है, जबकि आर्थिक परिप्रेक्ष्य में देखें तो यह अंतिम चरण की ओर जाती प्रतीत होती है। जिसके विश्लेषण हेतु हमें निम्न बिन्दुओं के तहत विचार करना होगा।

- गुप्तकाल में सामन्तवादी व्यवस्था चरम पर थी, जहाँ सामन्तों द्वारा व्यापक पैमाने पर चुंगी वसूली गयी जिससे व्यापार-वाणिज्य को धक्का लगा।

- सामन्तों से अपेक्षा की गयी थी कि वे कृषि अर्थव्यवस्था में निवेश करेंगे, प्रारम्भ में ऐसा ही हुआ परन्तु कालान्तर में कृषि को मात्र शोषण का माध्यम बनाया व कृषक वर्ग मजदूर व दास बनने पर मजबूर होगए

- व्यापार वाणिज्य के पतन के कारण श्रेणी व्यवस्था चरमरा गयी जिसकी पुष्टि मन्दसौर अभिलेख से होती है।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

- रोमन साम्राज्य के साथ जुड़ाव, सिल्क मार्ग के कारण पूर्व काल में व्यापार वाणिज्य चरम पर था परन्तु गुप्त काल में रोमन साम्राज्य का पतन हुआ, जिससे विदेशी व्यापार को धक्का लगा।

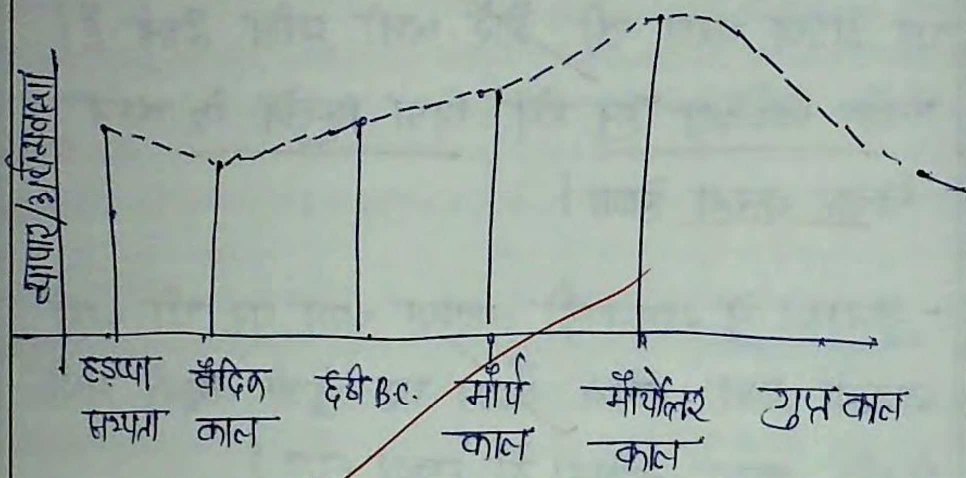

प्राचीन कालीन भारतीय अर्थव्यवस्था को निरूपित करता ग्राफ

- गुप्त काल में प्राप्त पुरातात्विक साक्ष्य भी इसकी पुष्टि करते हैं। प्राप्त सिक्कों में पर्याप्त मात्रा में मिलावट पायी गयी है जो प्रदर्शित करता है कि साम्राज्य में अब उतनी सम्पन्नता नहीं थी।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

अतः पूर्वकाल में चरम पर पंहुचती अर्थव्यवस्था गुप्त काल में अपने अवसान अवस्था में पंहुचती प्रतीत होती है।

गुप्तकाल की व्यापारिक समृद्धि एवं आर्थिक प्रगति का भी उल्लेख करें।

5

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	½	2	2	¼	×	¼	×
Grade	A	B	B	B	×	B	×

Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

(b) "स्वर्णयुग की अवधारणा यथार्थ पर आधृत नहीं प्रतीत होती है विशेषकर जनसाधारण के लिये तो नहीं है।" कथन की समालोचनात्मक समीक्षा कीजिये। 20

"The concept of Golden Age does not seem to be based on reality, particularly not for the commonalty." Critically examine the statement. 20

Ans गुप्तकालीन सामाजिक प्रगति, धार्मिक विविधता, राजनीतिक विस्तार के कारण इतिहासकार इसकाल को स्वर्णयुग करार देते हैं। परन्तु जनसाधारण की स्थिति पर दृष्टिपात करने पर ~~स्पष्ट~~ यह बात मात्र सिद्धान्तवादी प्रतीत होती है। इस हेतु हमें जनसाधारण की परिस्थिति का विश्लेषण करना होगा -

good

- गुप्त काल में जाति के आधार पर स्मृति साहित्य का निर्माण होने के कारण समाज में पर्याप्त रूप से जाति विभाजन कै हो गया।

- ~~महिला~~ वर्ण व्यवस्था के आधार पर भी समाज बंटा हुआ था, जहां ब्राह्मण 13 कमरों के घर में रहता था, वहीं शूद्र 1 कमरे के घर में रहता है।

स्वर्ण युग की अवधारणा के पक्ष में थोड़ा विस्तार से उल्लेख करें

- विष्णु पुराण में कहा गया है कि श्राद्ध का भोजन शूद्र को देने पर कोई फल प्राप्त नहीं होगा। इसके साथ ही वह ब्राह्मण जो शूद्र के हाथ से

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

दान ग्रहण करेगा, नरकगामी होगा।

- समाज में सामन्तवादी व्यवस्था थी, बड़े पैमाने पर दास रखे गए, उनसे काम करवाया गया। ~~थी~~ में भी मजदूर (कृषक) की अवधारणा सामने आयी जो अत्यन्त दयनीय स्थिति में थे।

- महिलाओं की स्थिति पर दृष्टिपात करें तो पर्दा प्रथा, सती प्रथा, विधवा ~~विवाह निषेध~~, बाल विवाह जैसी कुप्रथाएं अपने चरम पर पहुंच गयी थी।

यद्यपि सिक्के का दूसरा पहलू भी है। कहा गया कि सती प्रथा मात्र उच्च जाति में विद्यमान थी, महिलाएं शैक्षिक व्यवस्था से ~~खुद~~ आदि जुड़ी थीं। दासों के लिए काम के घण्टे निर्धारित थे उन्हें यातना नहीं दी जा सकती थी।

अपवाद स्वरूप कुछ परिस्थितियों को छोड़ दिया जाए तो गुप्तकाल में जन साधारण की स्थिति, जीवन स्तर में गिरावट आयी थी। अतः स्वर्णयुग

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

की अवधारणा पर गंभीरतापूर्वक विचार किया जाना चाहिए।

अच्छा प्रयास है।

6

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	1/2	3	2	1/4	x	1/4	x
Grade	A	B	C	B	x	B	x

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

(c) "हर्ष शान्ति के कार्यों में जितना महान था, उतना युद्ध के कार्यों में नहीं।" आलोचनात्मक परीक्षण करें। 15

"Harsha was not as much great in the work of war as in the work of peace." Critically examine. 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Ans गुप्तोत्तर काल में हर्षवर्धन को उन महान राजाओं की श्रेणी में रखा जाता है जिन्होंने न सिर्फ धर्म अपितु अर्थ, संस्कृति, समाज कल्याण के क्षेत्र में भी अभूतपूर्व प्रगति की। यद्यपि कुछ इतिहासकार उसके युद्ध कार्यों को कमतर आंकते हैं।

good

हर्षवर्धन के धार्मिक उपलब्धि को देखें तो शैव धर्म का उपासक होने के बावजूद हर्षवर्धन ने बौद्ध धर्म को प्रश्रय प्रदान किया। प्रत्येक 5 वें वर्ष महामोक्षपरिषद का आयोजन किया जिसमें बौद्ध ब्राह्मणों को दान दिया जाता था। साथ ही गरुड़ को ध्वज प्रतीक के रूप में अपनाना धार्मिक सहिष्णुता प्रदर्शित करता है।

सांस्कृतिक क्षेत्र में नासिक में, कन्नौज में व शाहबाज में मंदिर का निर्माण करवाया। स्वयं नागानन्द, रत्नावली, प्रियदर्शिका की रचना की। बाणभट्ट, ~~माहमा~~ ह्वेनसांग जैसे लेखकों को समान प्रोत्साहन दिया।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

~~पश्चिम~~ इसके साथ ही हर्षवर्धन की राजनैतिक उपलब्धियां देखें तो बंगाल में राजा शशांक को पराजित किया। मगध में पूर्णवर्मन को पराजित करते हुए नेपाल, ~~गुजरात~~ सिंध, पंजाब, गुजरात के काठियावाड़ क्षेत्र तक प्रभुत्व स्थापित किया।

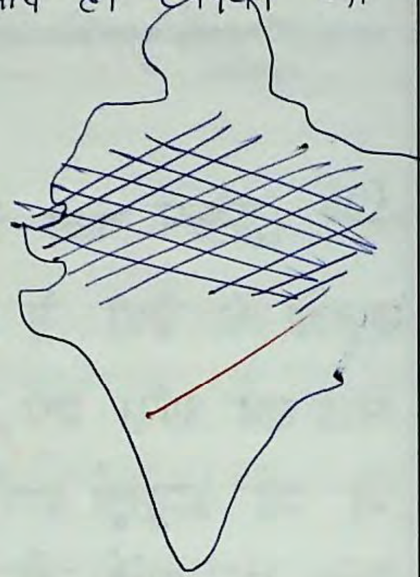

उपलब्धियों के साथ कुछ कमियां भी रहीं —

- हर्षवर्धन जीते क्षेत्रों पर पूर्णतया प्रभुत्व स्थापित न कर सका।
- दक्षिण में चालुक्य शासक पुलकेशिन द्वितीय से पराजित होना पड़ा।

स्पष्ट नहीं है।

Good

उपरोक्त कमियों के बावजूद कहा जा सकता है हर्षवर्धन की उपलब्धियां अन्य क्षेत्रों के साथ-साथ राजनैतिक क्षेत्र में कम नहीं थी।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

6 1/4

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	1/2	3	2	1/4	x	1/2	x
Grade	A	A	B	B	x	A	x

Copyright – Drishti The Vision Foundation